BCG CO_2 AI सर्वे

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में बोस्टन कंसलटिंग ग्रुप (BCG)एवं CO_2 AI द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, भारत कार्बन उत्सर्जन की रिपोर्टिंग, लक्ष्य निर्धारण एवं उत्सर्जन में कमी के मामले में शीर्ष 3 देश में शामिल है।
- सर्वे के अनुसार, भारत केवल चीन एवं ब्राजील से पीछे है।

➢ मुख्य बातें :

- भारत की 12% कंपनियां उत्सर्जन की रिपोर्ट कर रही हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह औसत 9%है।
- वैश्विक स्तर पर 16% कंपनियों द्वारा उत्सर्जन में कमी के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जबकि भारत के लिए यह 24% है।
- पेरिस समझौते (COP–21, 2015) के तहत विश्व वैश्विक औसत तापमान वृद्धि को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5^0C तक सीमित करने के लिए प्रयत्नशील है।
- इसे ध्यान में रखते हुए 15% भारतीय कंपनियां अपने कार्बन उत्सर्जन को कम कर रही है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह औसत 11% है।

➢ आर्थिक एवं पर्यावरणीय संतुलन :

- प्रधानमंत्री मोदी ने COP–26 (ग्लासगो) के दौरान घोषणा की थी कि भारत 2070 तक 'नेट जीरो' लक्ष्य हासिल करेगा।
- भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।
- इसके लिए भारत न केवल सभी क्षेत्रों में उत्सर्जन में कमी कर रहा है, बल्कि भारतीय कंपनियां कार्बन फुटप्रिंट को कम करते हुए वित्तीय लाभ भी अर्जित कर रही है।
- पेरिस समझौते के अनुरूप भारत अपने प्रयासों को बढ़ावा देते हुए AI जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाकर अपने व्यवसायों को स्थिरता प्रदान कर रहा है।
- भारत की यह प्रगति आर्थिक वृद्धि एवं पर्यावरणीय संतुलन के प्रति आगे बढ़ने की क्षमता को दर्शाती है, जो वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

➢ सर्वेक्षण :

- BCG–CO_2 AI सर्वेक्षण में 1864 अधिकारी शामिल थे, जिन्होंने कंपनी के उत्सर्जन माप,लक्ष्य निर्धारण, उत्सर्जन में कमी आदि पहलुओं की निगरानी की।
- सर्वे में शामिल कंपनियां 16 प्रमुख उद्योगों से संबंधित है, जिसका वार्षिक राजस्व 100 मिलियन डॉलर से लेकर 20 मिलियन डॉलर से ज्यादा है।
- इन कंपनियों का वैश्विक GHG उत्सर्जन में 45% का योगदान है।
- यह सर्वे 26 देशों में करवाया गया था।

➢ उत्सर्जन में कमी के लाभ :

- यह चौथा वार्षिक सर्वे था, लेकिन रिपोर्टिंग के निष्कर्ष 2023 से कम संतोषजनक है।
- यह सर्वे इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2024 आधिकारिक रूप से सर्वाधिक गर्म वर्ष घोषित हो चुका है।
- सर्वे के अनुसार, कम से कम 25% व्यवस्थाओं ने वार्षिक डीकार्बोनाइजेशन लाभ की रिपोर्टिंग की।
- व्यवसायों का लाभ 7% राजस्व के बराबर है, जो 200 मिलियन डॉलर प्रति वर्ष के बराबर है।
- यह लाभ मुख्यतः दक्षता में वृद्धि, अपशिष्ट में कमी एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने से प्राप्त हुआ है।

➢ प्रौद्योगिकी : कौशल साधन :

- सर्वे में पाया गया कि उत्सर्जन में कमी के लिए AI का प्रयोग करने वाली कंपनियों के सफल होने की संभावना 4–5 गुना ज्यादा होती है।

Result Mitra

- वास्तव में AI कार्यों को स्वचालित करके संधारणीय प्रयासों को बढ़ावा देता है, जो उत्सर्जन में कमी लाने में मददगार है।
- वर्तमान परिदृश्य में AI गेम चेंजर की भूमिका में हो सकता है, जो जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में सक्षमता बढ़ाने में योगदान दे सकता है।

➢ नेट–जीरो लक्ष्य :

- भारत में नेट–जीरो लक्ष्य हासिल करने के लिए COP–26 में निम्न घोषणाएं की थी :
- वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावॉट (GW) तक बढ़ाना,
- वर्ष 2030 तक अनुमानित उत्सर्जन में एक बिलियन टन तक की कमी करना,
- वर्ष 2030 तक समस्त ऊर्जा मांग का 50% नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करना,
- वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 की तुलना में कार्बन तीव्रता (Carbon Intensity)में 45% तक की कमी करना।

➢ COP :

- Conference of the Parties (COP) UNFCCC की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है, जिसमें UNFCCC के सभी सदस्य देश शामिल होते हैं।
- सामान्यतः COP की मीटिंग प्रत्येक वर्ष होती है।
- पहली COP मीटिंग 1995 में बर्लिन (जर्मनी) में हुआ था।
- COP-28 (2023)दुबई (UAE) में संपन्न हुआ था।

Result Mitra TM